

**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)**

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250

Maximum Marks: 250

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

**General Instructions**

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01046611

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : खेतदान चारण

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख  
Date

25/08/24

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)  
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र  
Centre

मुखर्जी नगर

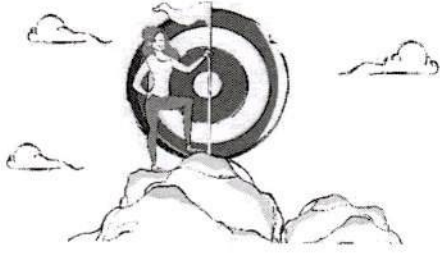
निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p><b>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</b></p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

**प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
<b>सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)</b>					



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**  
Maximum Marks: **250**

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

*Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:*

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

महात्मा गाँधी जी का  
मानना था कि साध्य व साधन दोनों की पवित्रता अनिवार्य है। तथा साधन ही साध्य की पवित्रता को निर्धारित करता है।

Ex. राष्ट्रीय आंदोलन → अहिंसा साधन के रूप में

↓  
स्वतंत्रता रत्नी साध्य की प्राप्ति  
← पवित्र व स्थायी गुण

जबकि Russians कालमावसी साधन पवित्र होना अनिवार्य नहीं साध्य पवित्र होना चाहिए

तो साधन - हिंसा

↓  
साध्य - स्वतंत्रता

लेकिन पवित्र नहीं

• World war

• Cold war

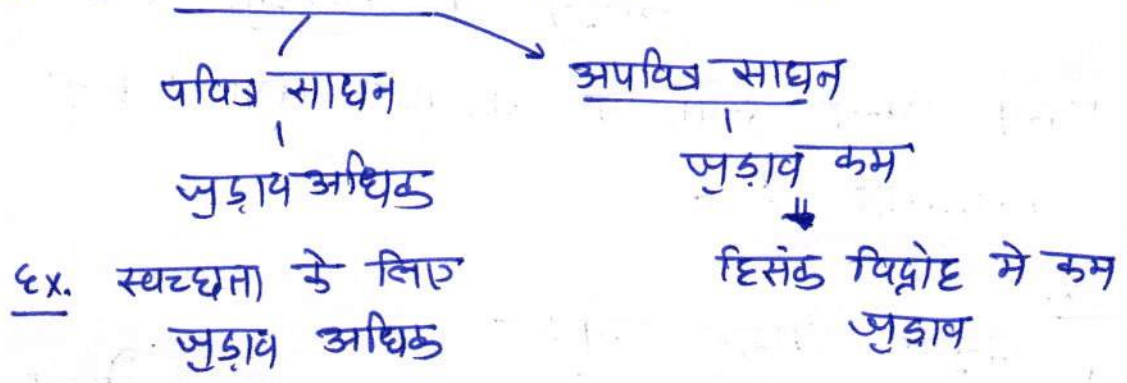
• शरणाधी संघ

की उत्पत्ति

हुई।

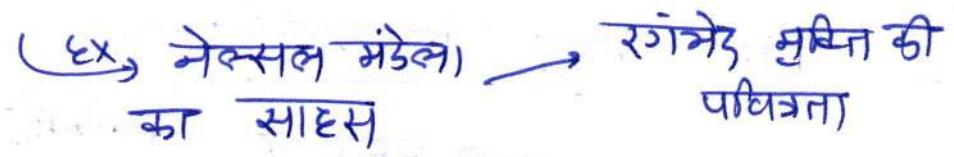
## # साधन कैसे प्रकृति निर्धारित करते हैं-

① लोगो को संयोजन का आधार प्रदान करते हैं।

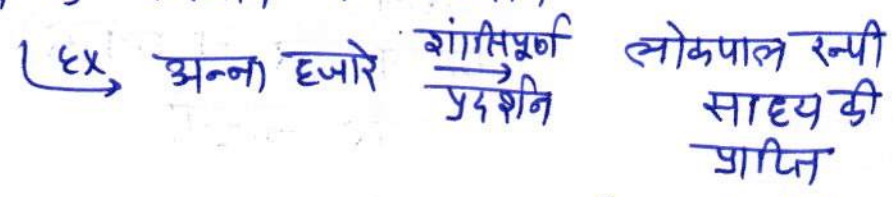


② जनधारणा निर्माण में सहायक

③ उसके लिए किए गए संघर्ष की पवित्रता के आधार पर साध्य की पवित्रता निर्धारित



④ साध्य के परिणाम में सहयोग



इस प्रकार वर्तमान में होने वाले E-3 मामले, विद्रोह प्रदर्शन इत्यादी अपवित्र साधनों के प्रयोग को रोका जाना चाहिए व पवित्र साधनों का प्रयोग करके पवित्र साध्य प्राप्ति पर बल देना चाहिए।

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्डिप में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

## कानून व नैतिकता दोनों

भिन्न-भिन्न रूपों में सहयोगी तथा भिन्न-  
अवधारणाएँ हैं -

Ex.

① कानूनी लेकिन अनैतिक

Ex. → सती प्रथा उस समय कानूनी थी लेकिन अनैतिक व्यवस्था थी।

Ex. → राले एक्ट - कानूनी लेकिन अनैतिक

② नैतिक लेकिन गैर कानूनी :-

→ ~~मुद्रा कानून~~ में ~~अनैतिकता~~  
गरीब महिला की सुरक्षा (सरकारी कागज पूरे न देने पर) लेकिन गैर कानूनी

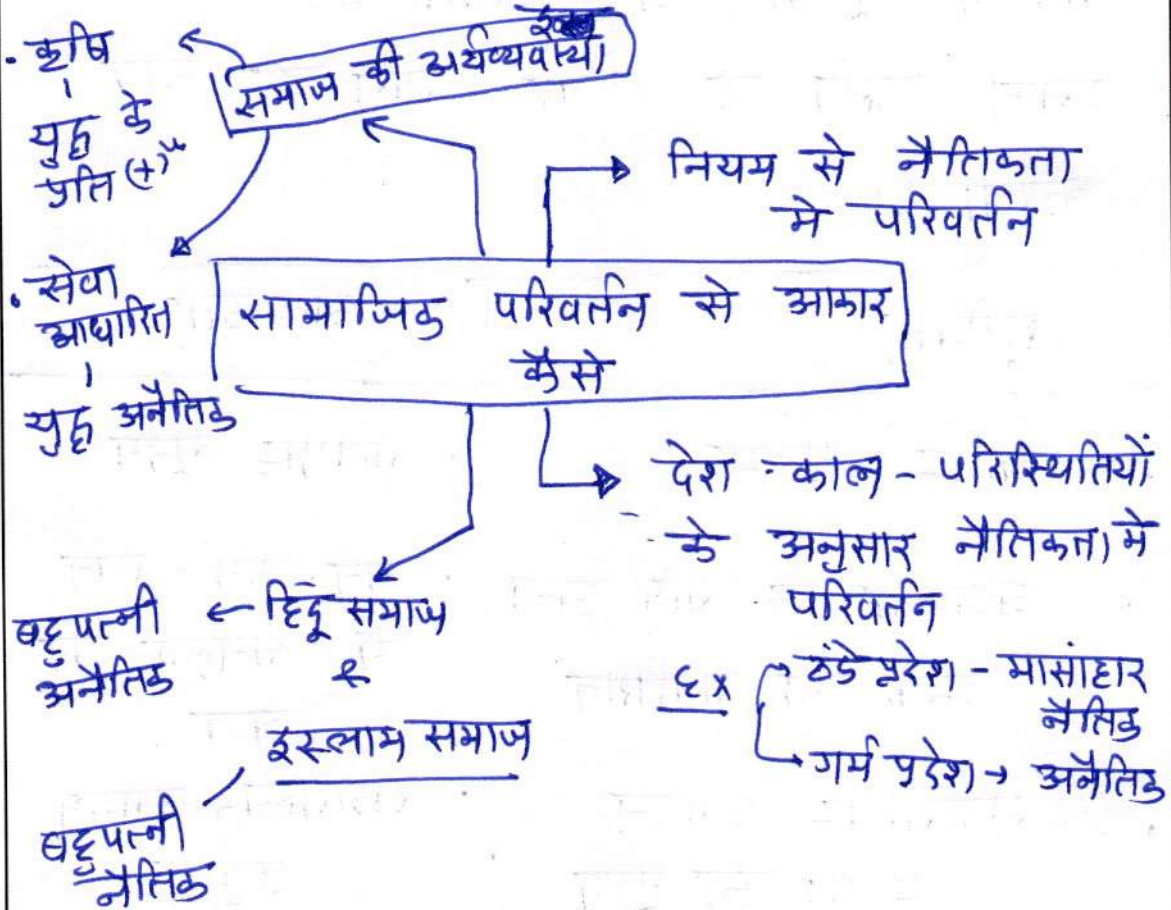
③ नैतिक व कानूनी दोनों

Ex. → महिला सुरक्षा

→ कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉसिबिलिटी

↳ गैर कानूनी व गैर नैतिक

↳ समाज में प्राप्त आडम्बर, कर्मकाण्ड इत्यादी।



इस प्रकार कानून व नैतिकता समाज की गति के साथ परिवर्तित होती रहती हैं।

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  $\Delta$

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

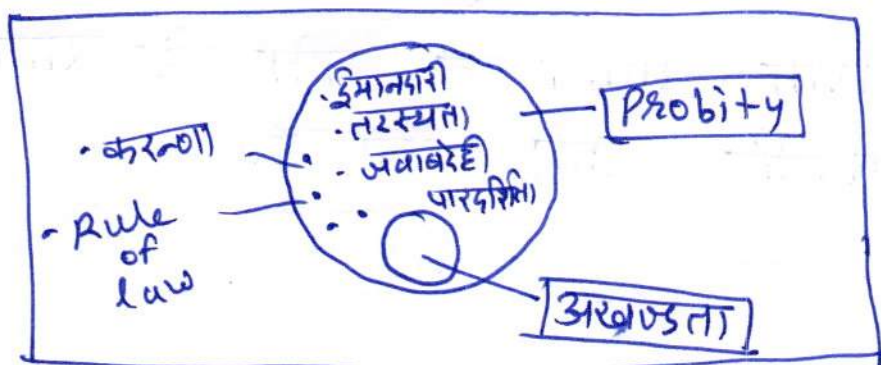
10

उम्मीदवारों को इस हार्जिन में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

'शुचिता' 2<sup>nd</sup> AARC के अनुसार

मानवीय मूल्यों का आधार है जो कि उसकी छवि के लिए दर्पण का कार्य करता है।

शुचिता	अखण्डता
<ul style="list-style-type: none"> <li>• व्यापक मूल्य</li> <li>• अखण्डता के साथ अन्य तत्वों का समावेशन</li> <li>• सकारात्मक उपागम प्रवृत्ति का मूल्य</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सापेक्षिक सूक्ष्म</li> <li>• मन-कर्म-वचन में समग्रता पर बल।</li> <li>• सकारात्मक उपागम प्रवृत्ति</li> </ul>



## # निरीय - निरीय में योगदान

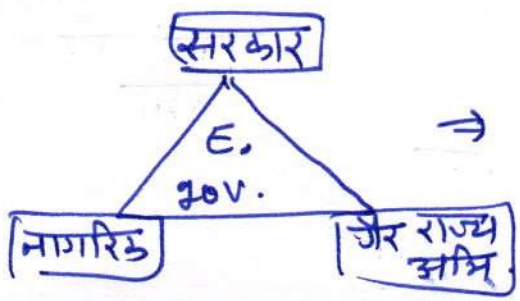
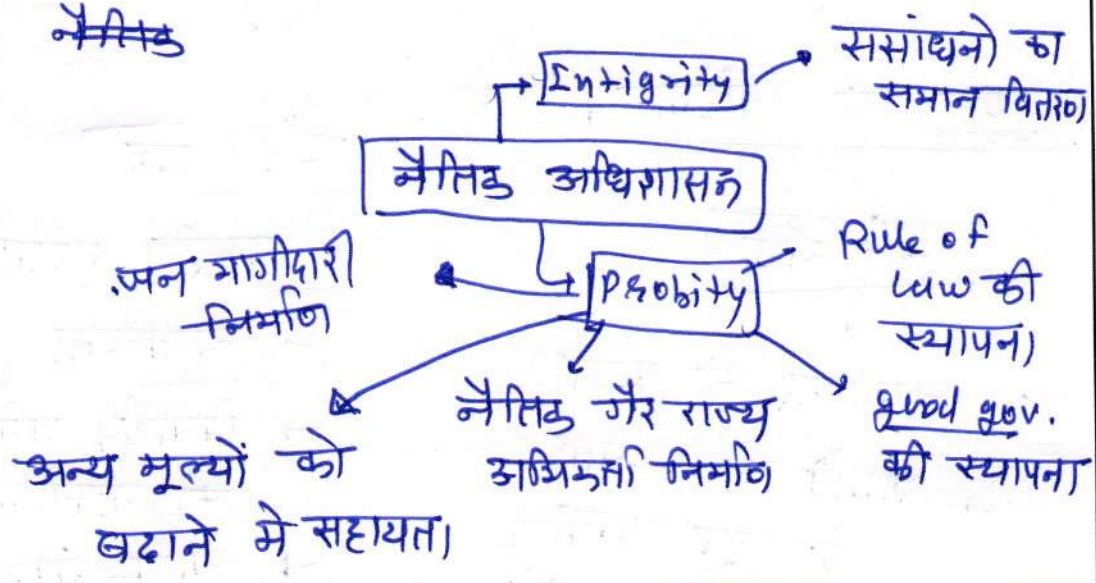
**Probability**

- दिशा - निर्देश प्रदात करती है।
- नैतिक प्रशासक का निर्माण करेगी।
- वित्तीय मामलों में सलग्नता से दूर करेगा।

**Integrity**

- भ्रष्टाचार को रोकती है।
- स्वार्थ से दूर।
- भ्रष्टाचार के प्रति सख्त मनोवृत्ति।

## # नैतिक



Eth. Gov. = नैतिक सरकार + नैतिक NSA + नैतिक नागरिक

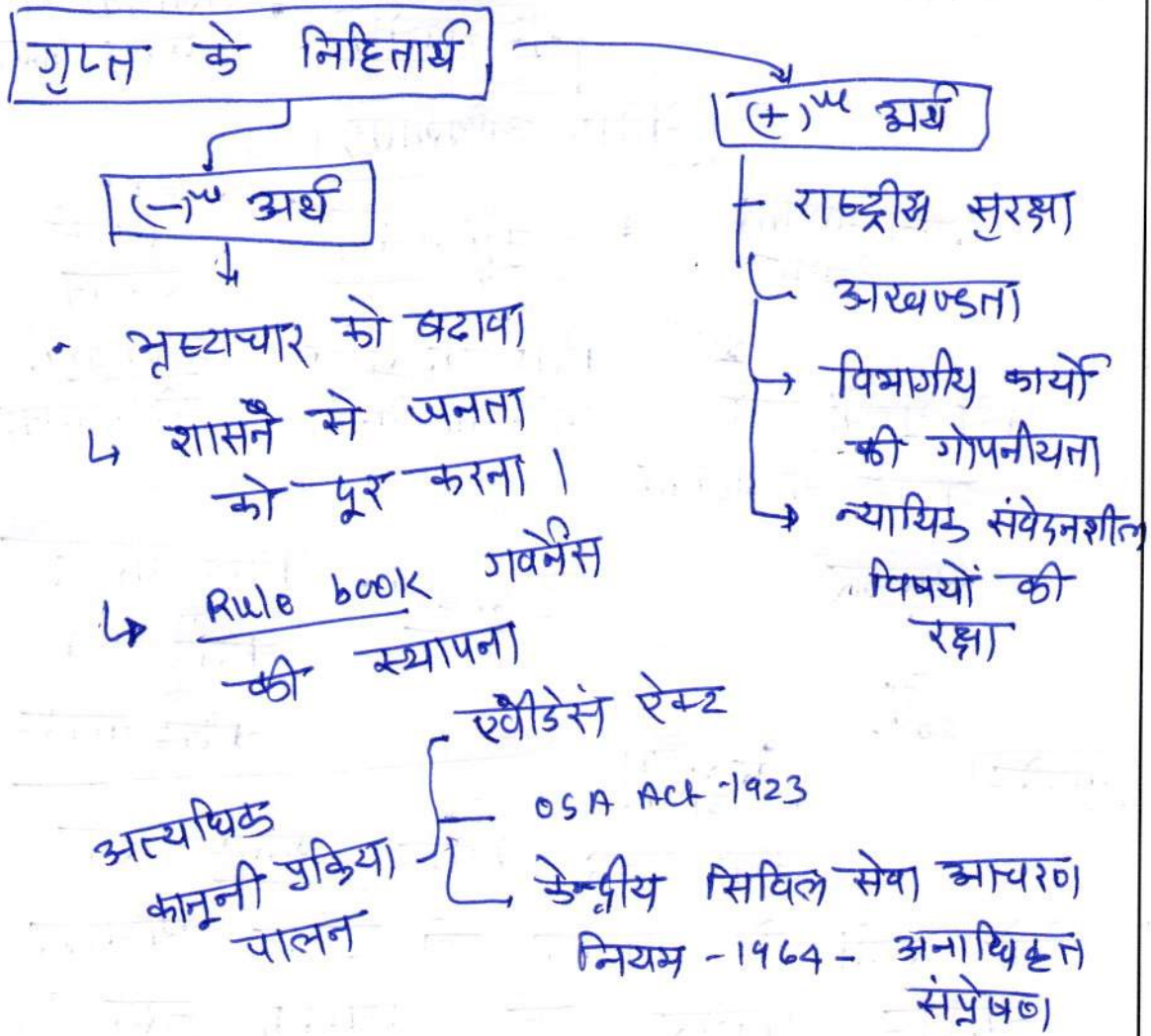
इस प्रकार नैतिक प्रशासक इन तीनों स्तरों में सम्बन्ध की भूमिका निभाकर नैतिक गवर्नेंस की स्थापना करेगा।

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

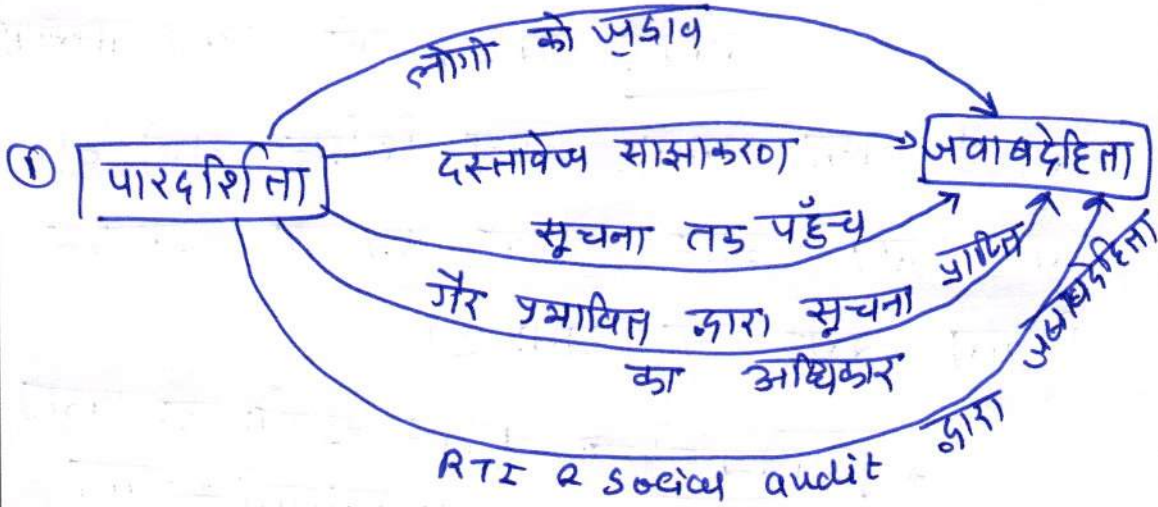
Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

10

गोपनीयता पारदर्शिता के युग के ऊपर एक काले धुएँ की परत है जो एक ओर शासन को जनता तक लया दूसरी ओर जनता को शासन तक जाने से रोकती है।



पारदर्शिता से जवाबदेहिता कैसे - ?



② भ्रष्टाचार को कम कैसे -

(2<sup>nd</sup> ARC) भ्रष्टाचार = गोपनीयता + धिक्काधीन - जवाबदेहिता  
शक्तिय)

Note. पारदर्शिता - गोपनीयता को कम करेगी & जवाब देहिता को बढाएगी। इस प्रकार Net corruption में कमी आएगी।

उपयुक्त मध्य को देखते हुए

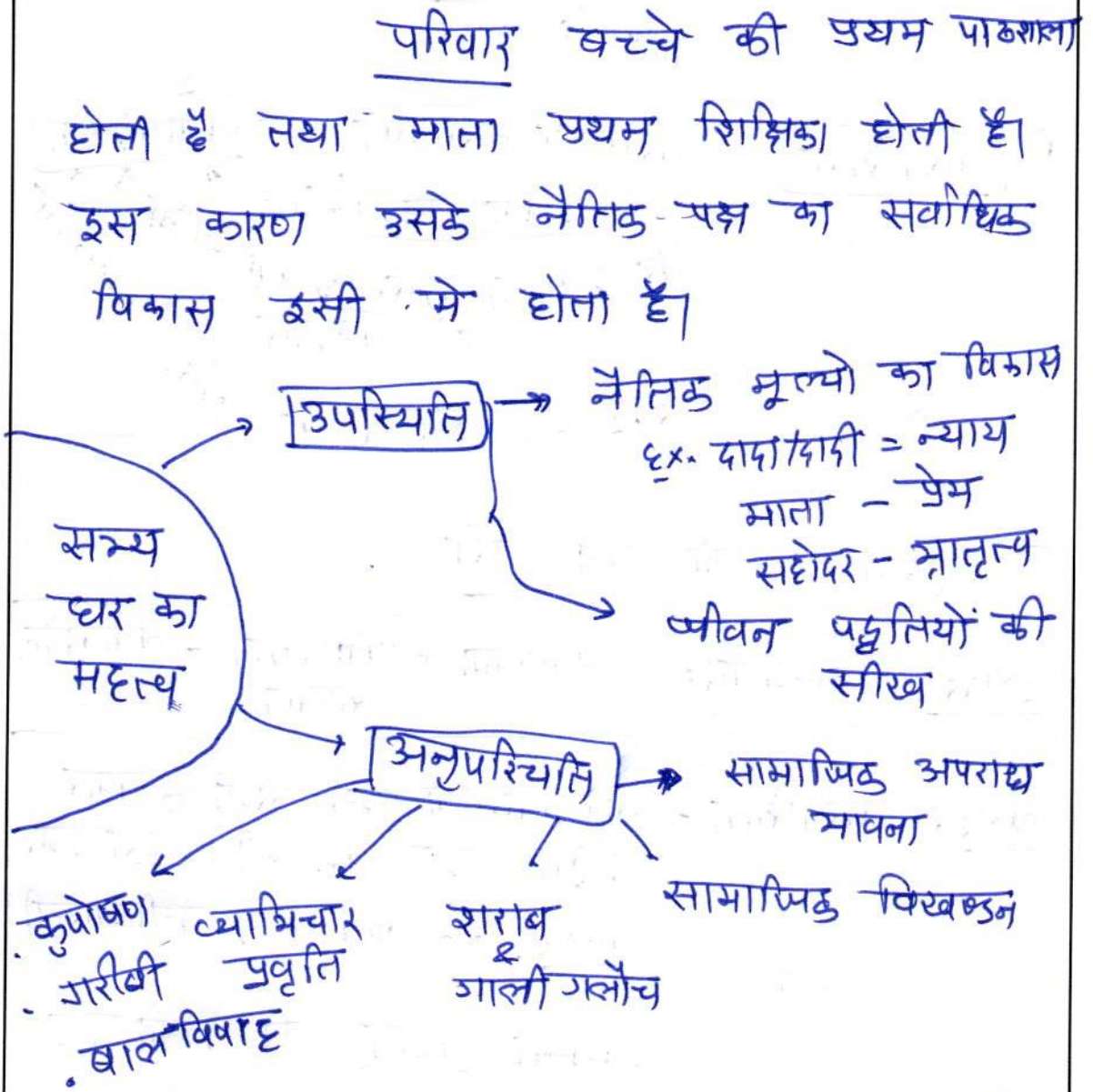
पारदर्शिता के साधनों जैसे सामाजिक अंकड़ें, नागरिक अधिकार पत्र, RTI ब्याग्री का विस्तार & संवर्द्धन किए जाने की आवश्यकता

६७

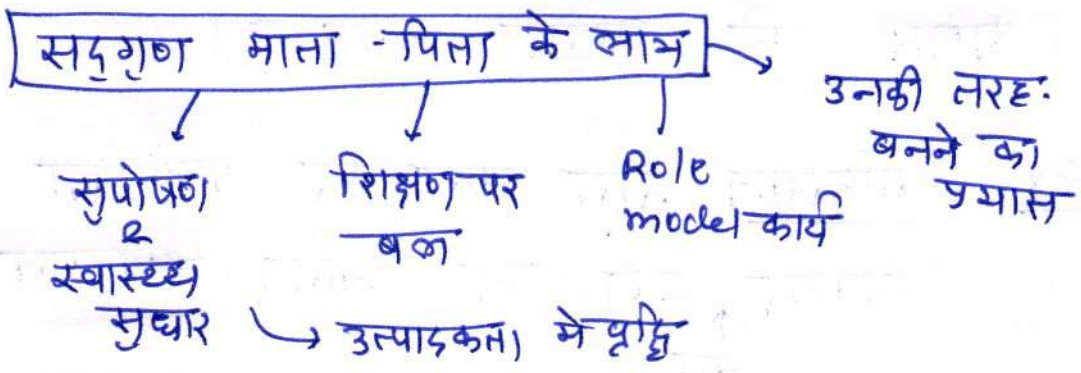
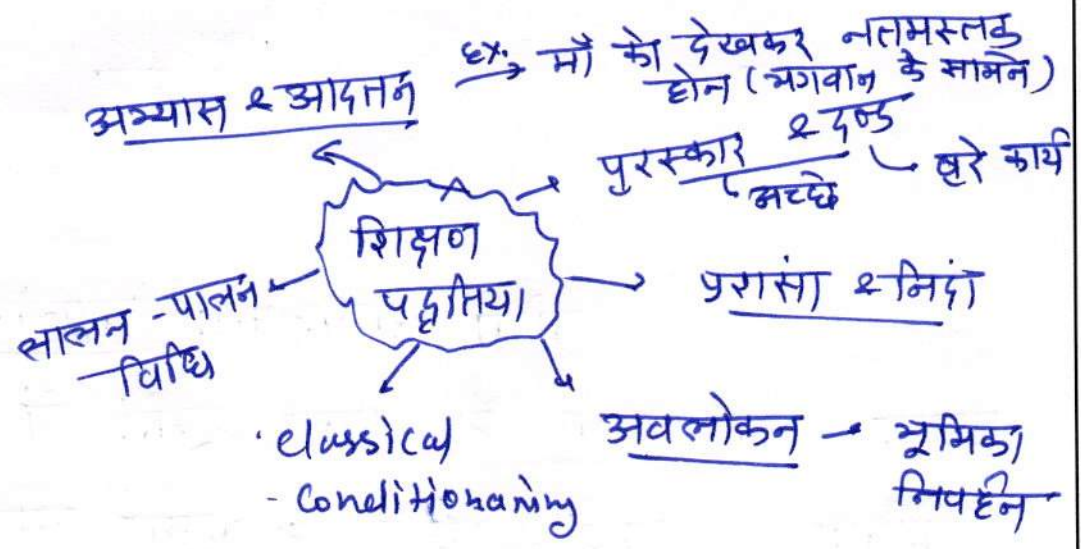
3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?  
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10



इसी प्रकार सभ्य & सद्गुणी  
माता - पिता के बराबर शिक्षक नहीं हैं।



इस प्रकार गाँधी जी ने भी परिवार तथा माता-पिता के व्यवहार & सद्गुणों को बच्चे के विकास के लिए आवश्यक व महत्वपूर्ण तत्व माना है।

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाँडी में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

व्यक्ति सामान्यतः घिसान्वेषी

प्रवृत्ति का होता है जिसे दूसरों में खामिया दिखाई पड़ती है तथा उसमें सुधार की अपेक्षा करता है।

Ex. पाकिस्तान द्वारा भारत पर धर्मनिरपेक्ष व्यवहार करने का आरोप लगाया नहीं

लेकिन वह स्वयं परिवर्तित

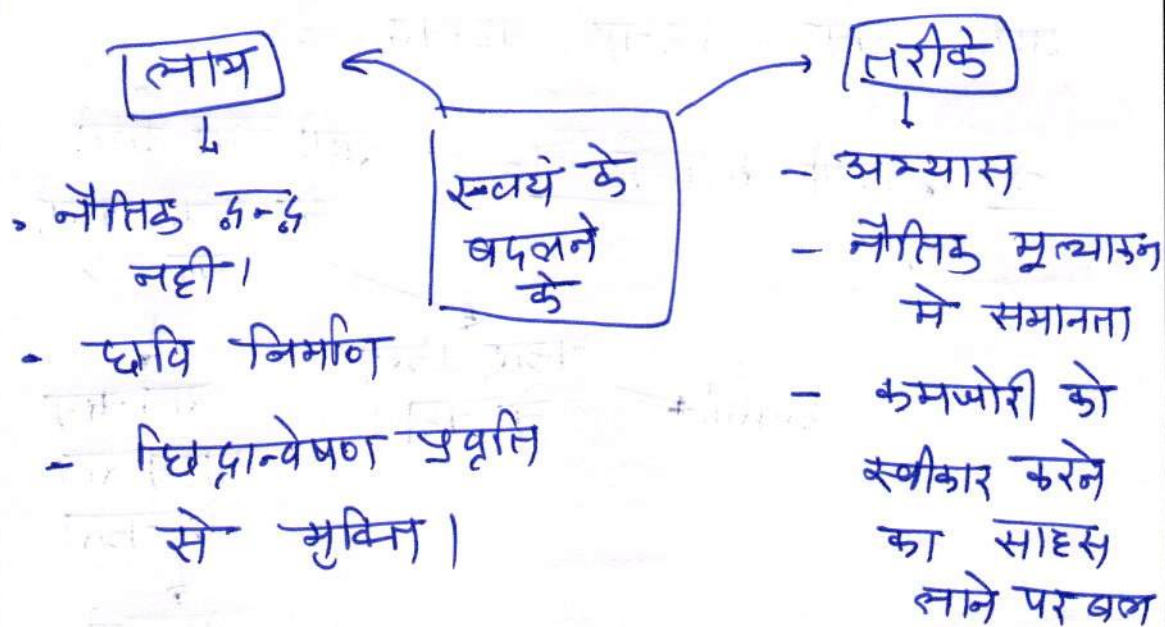
होने का प्रयास नहीं करता है।

स्योंडि → स्वयं की कमजोरी नहीं स्वीकार करता है।

नैतिक पाखण्डता → स्वयं को सही मानना

1  
मूल्यांकन के अंक-2  
मानक अपनाना

इसलिए लियो टॉलस्टॉय ने  
स्वयं के बदलने पर बल दिया है।



इसी प्रकार एक अन्य  
वाक्य है कि जब घर में आग लगी हो  
तो दूसरों के घरों की आग से ख़ुश नही  
होना चाहिए। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति द्वारा  
स्वयं में सुधार करके सभी में सुधार  
किया जा सकता है।

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

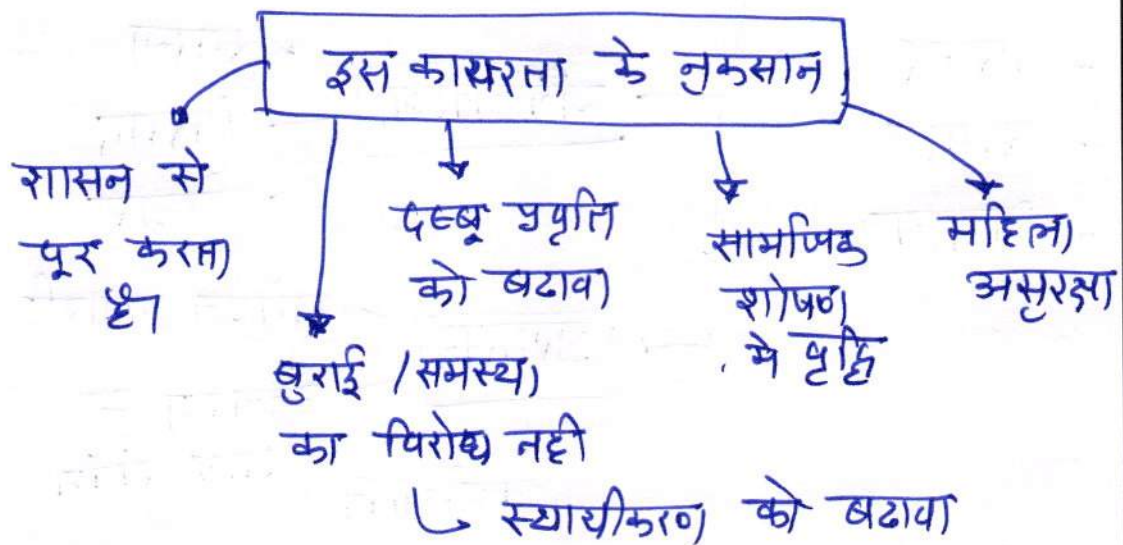
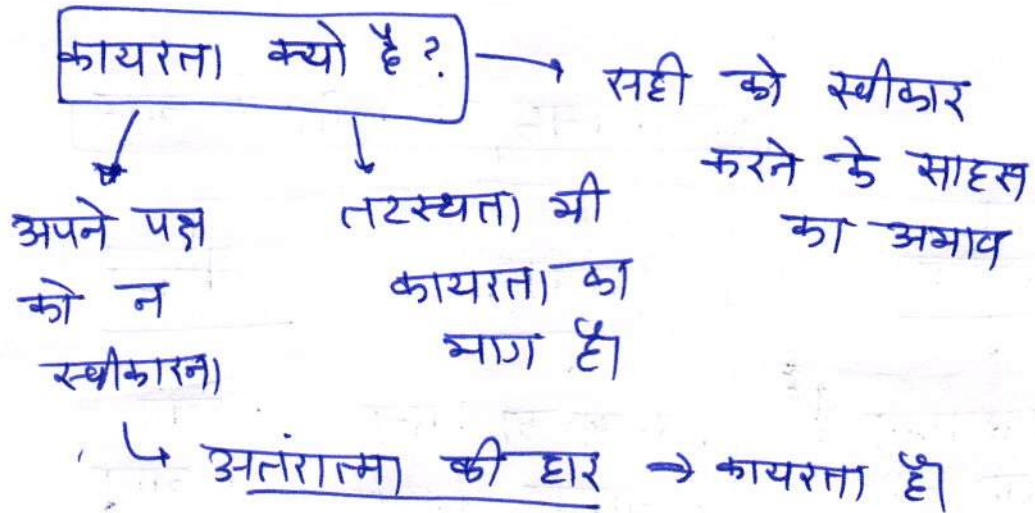
सही व गलत में से  
सही का पहचानना महानता नहीं बल्कि  
सही को स्वीकार करना व सही के  
साथ बने रहना महानता है।

ध. १९वीं शताब्दी तक - सती प्रथा सभी  
को गलत समझी  
थी।

कारण ~~किसी~~ ~~ने~~ नकारा  
नकारा किसी  
ने नहीं।

↓  
राजसम  
मोहन राय  
ने नकारा  
↓  
सादसी  
प्राधिकाय

इसी प्रकार नेपोलियन ने  
भी कहा है कि "शासन में सही लोगों  
का न जुड़ना उन्हें गलत लोगों के  
शासन में प्रतिष्ठित होने के लिए  
बाध्य करता है।"



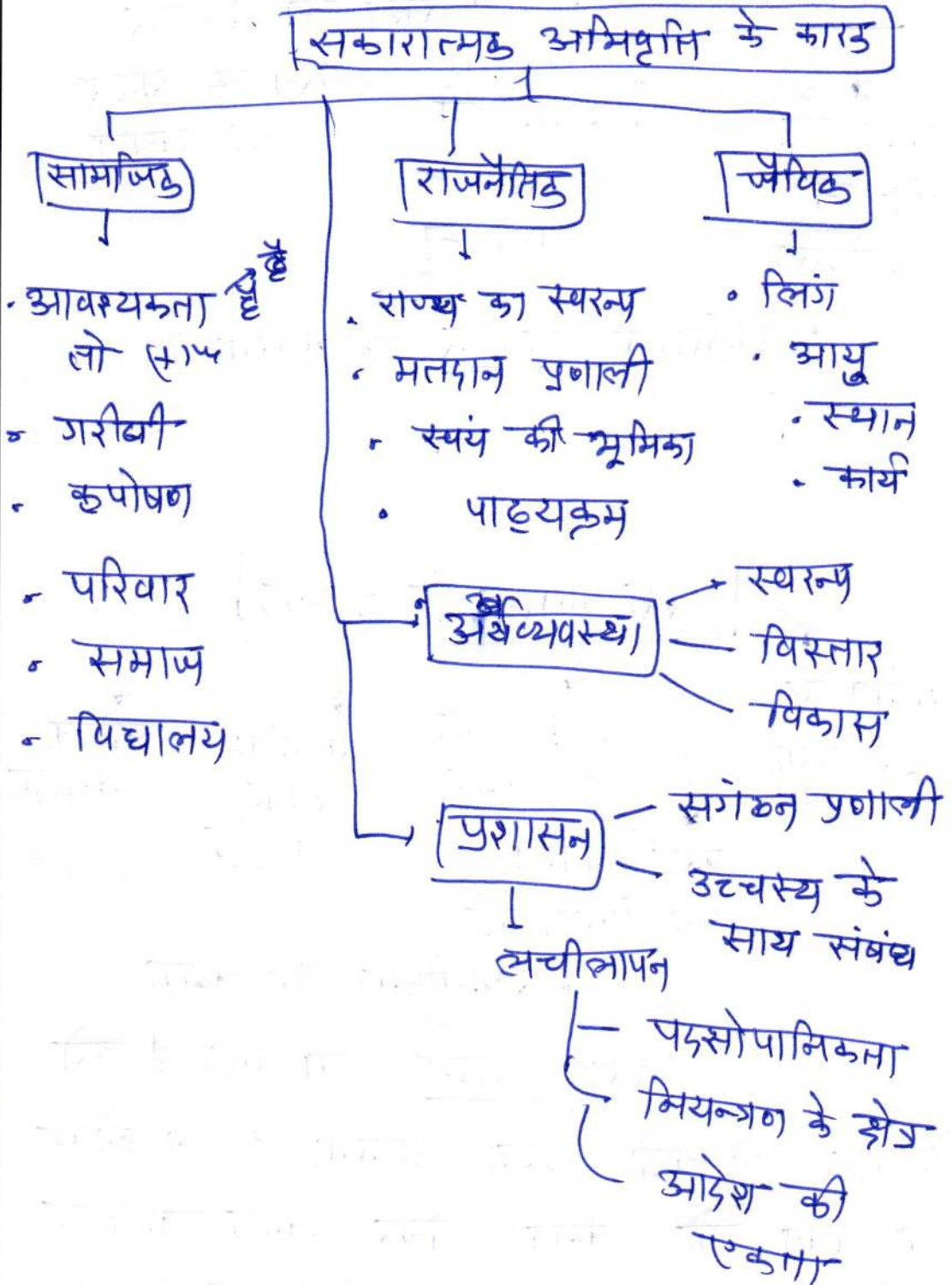
इस कारण जो सही है उसे देखकर भी नहीं करना कायरता है जो शोषण व दमन को बढ़ावा देकर आत्मज्वानि व अपराध बंध को उत्पन्न करता है।

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
 What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्डिप में नहीं लिखना चाहिए  
 Candidates must not write on this margin



## # कार्य क्षमता) को कैसे बढ़ावा

↳ कार्य के प्रति रुचि का निर्माण

↳ प्रोत्साहन में वृद्धि

↳ अग्रसक्रिय बनाता है।

↳ (ex) गरीबों के प्रति सहानुभूति  
स्वच्छता  
परम मूल्य  
PM गरीब कल्याण योजना  
में सक्रिय

PM. स्वच्छ भारत  
अभियान में  
सक्रिय

↳ नवोन्मेषी बनाता है।

ex: IAS नरेश पाण्डे  
गंगवार

राज्य. में शिक्षा  
क्षेत्र

उप- ~~कर्म~~ प्रशांत  
नाथर

IAS समित पाण्डे

↳ स्वास्थ्य प्रबन्धन  
नवाचार

करण का विकास

बेहतर परिणाम - दक्षता में सुधार

भ्रष्टाचार कमी।

4. (b)

चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्थिक में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

सैलोवी & मेयर के अनुसार

EI स्वयं के भावनाओं को समझने, दूसरे कि भावनाओं को समझने तथा विश्लेषण के द्वारा तार्किक निर्णय लेने की क्षमता है।

# सीमित संसाधन में सहयोग

↳ कम मानव संसाधन के समय

↳ तीव्र निर्णयन में सहायता

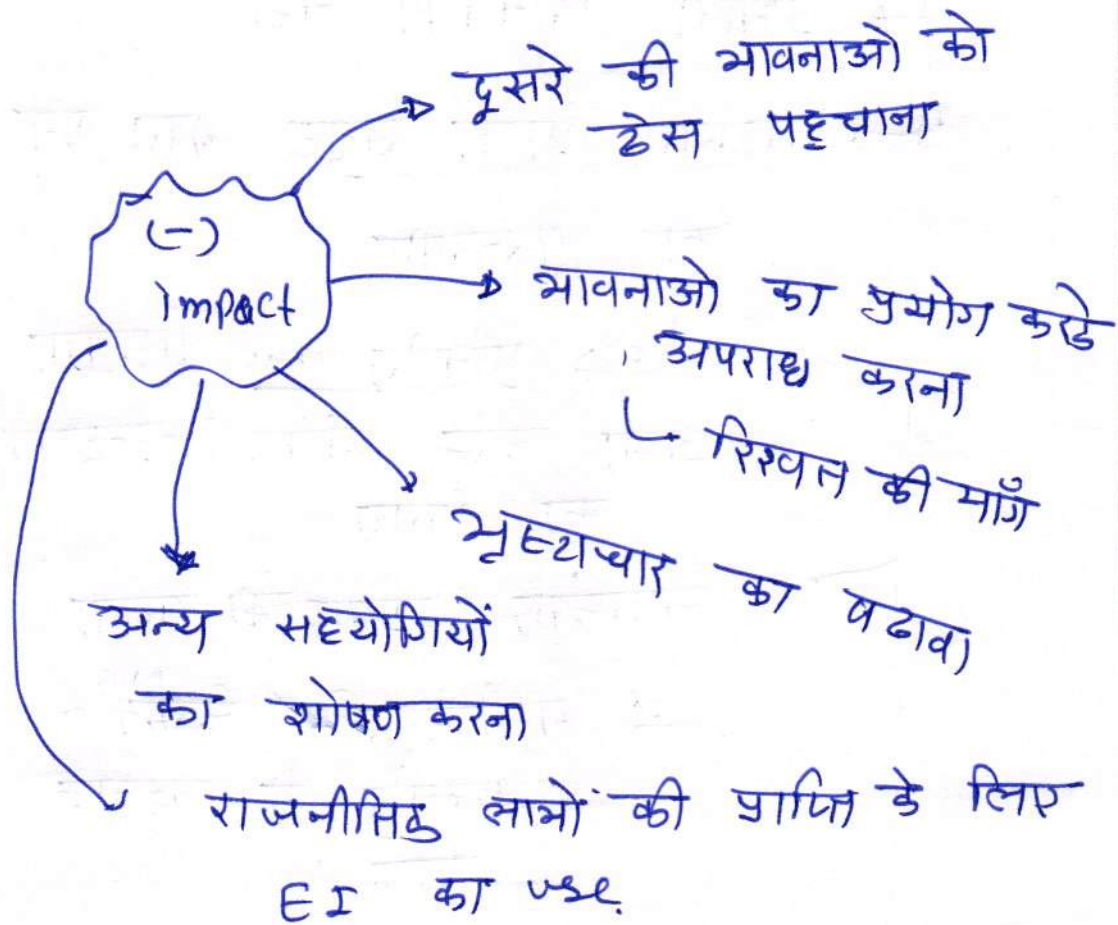
↳ भावनात्मक निर्णयन को खत्म।

↳ मनोवैज्ञानिक तनाव को दूर करने में सहायक

↳ भ्रष्टाचार की प्रणाली को रोकना।

↳ राजनीतिक दबाव से मुक्ति पाने का विकल्प

लेकिन EI एक तटस्थ  
मूल्य है इसका दुरुपयोग भी संभव है।



अतः EI एक मूल्य  
तटस्थ अवधारणा है जिसके लिए सामाजिक  
अवेयरनेस, सख्त रेगुलेशन, इम्पैची व  
अभिप्रेरण अनिवार्य हैं।

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

## # अंतर्राष्ट्रीय संगठन की समस्याएँ

→ प्रभावी विनियमन नहीं।

→ सहायता प्राप्त समूह द्वारा धन का दुरुपयोग

(Ex) गुनिपीस NHO सहायता प्राप्त करके संयंत्र (इंडस्ट्रियल) का विरोध

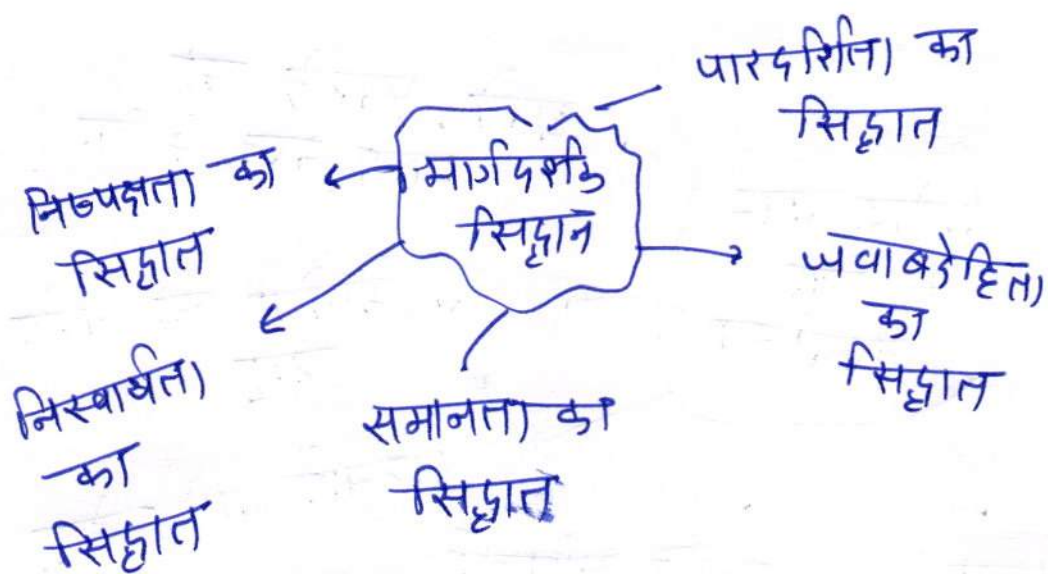
आतंकवाद / उग्रवाद को बढ़ावा

(Ex) मर्सीकेयर्स - ~~क्रिसि~~ N.G. & कश्मीर में मददकार्य कार्य।

→ अत्यधिक कानूनी समस्याएँ

Ex. FLRA कानून अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहयोग पर कुछ बाधाएँ।

- सभी देशों तक प्रकाश  
नहीं है।  
↳ द. अफ्रीकी देशों पर चित  
रह गए।
- आपातकालीन सहायता की पहुँच नहीं।  
↳ सीरिया में misuse



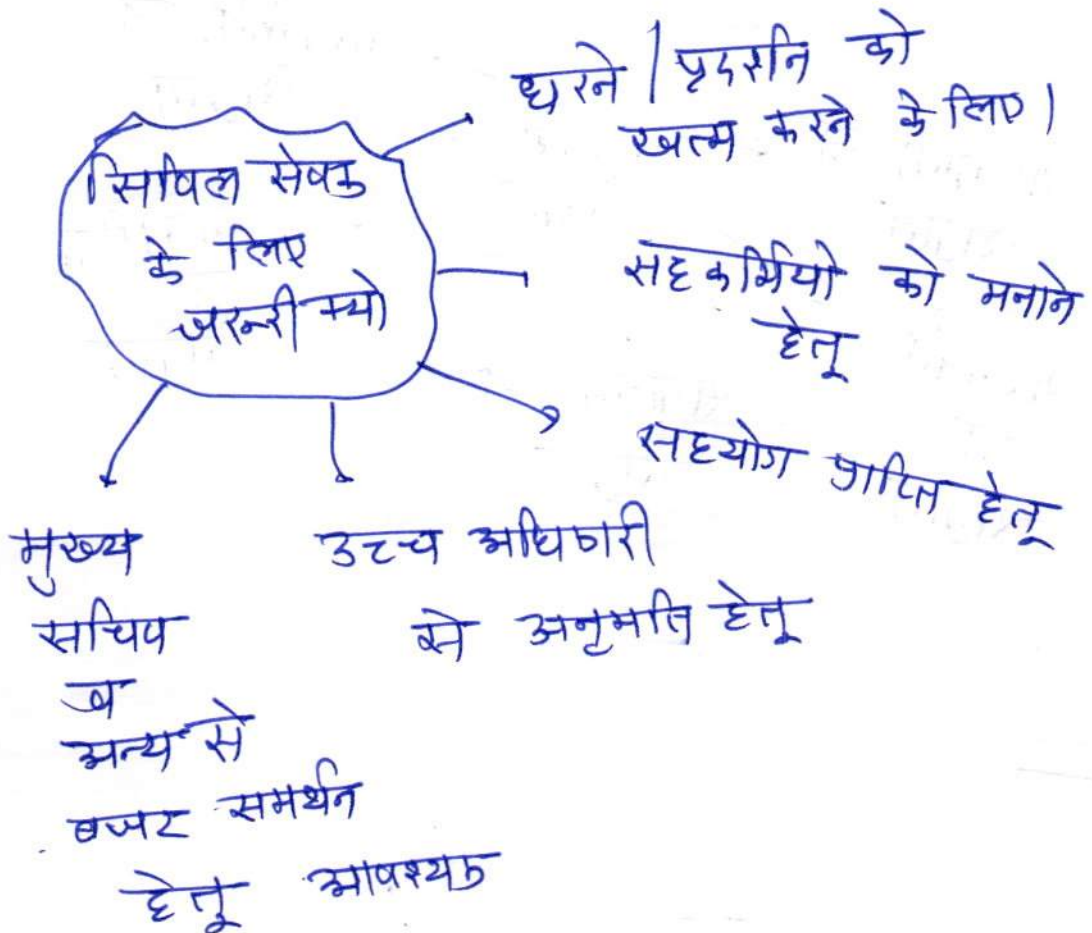
5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस शर्त पर नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

अनुनय स्वयं के राष्ट्र शक्ति अनुभाव व दायभाव के द्वारा दूसरों को अपनी बात पर मनवाने तथा अपने कार्य का अनुसरण करवाने की क्षमता है।



## # गवर्नेंस में मागदर्शक मुख्य विचार :-

### ↳ पदसोपान का सिद्धान्त

↳ अधीनस्थ को अनुनयन करने की इमता

### ↳ आदेश की एकता का सिद्धान्त

↳ उच्चस्थ के आदेश का पालन करना

↓  
लेकिन गलत होने पर सलाह करने हेतु अनुनयन इमता अनिवार्य।

### ↳ नियन्त्रण के क्षेत्र का सिद्धान्त

↳ उच्चस्थ द्वारा अपने नियन्त्रण के क्षेत्र के सदस्यों का अनुनयन करके साथ प्राप्त करना।

↳ वैधानिकता - Compulsory IPC धाराओं

2 कर्फ्यू के दौरान अनुनयन की इमता अनिवार्य।

6. (a)

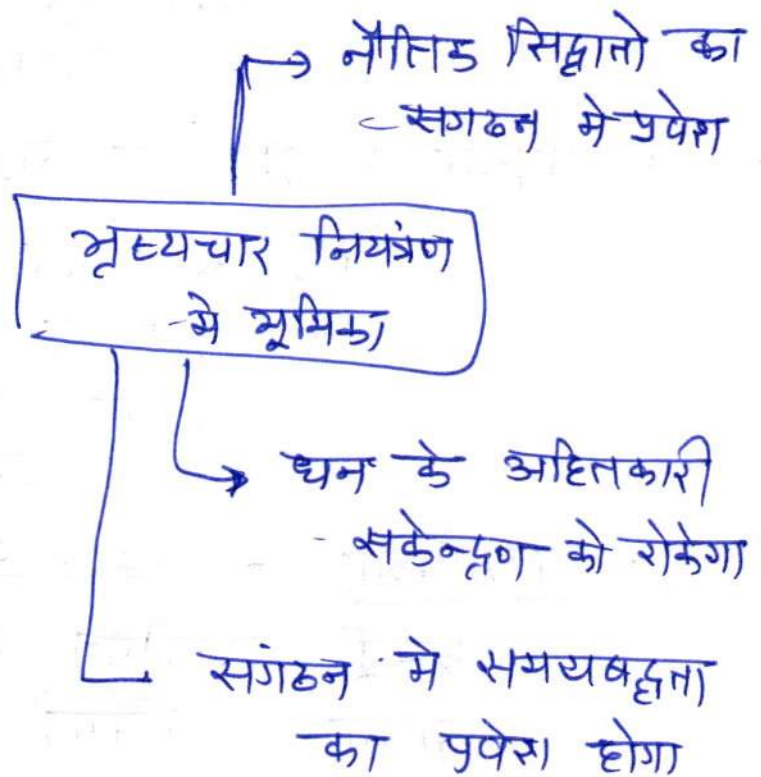
विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

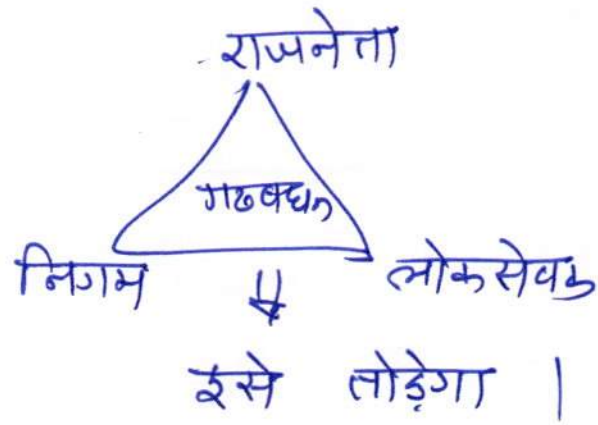
What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस क्वेश्चन में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

नैतिक नेतृत्व सिविल सेवकों को नैतिक सिविल सेवक बनाता है।  
John. Sea. Maxwell के अनुसार नेता वही है जिसे राह पता हो तथा दूसरों को राह बताए।





- अधीनस्थों के APAR का निष्पक्ष पालन ।
- Role model का कार्य करेगा
- ससाधने का न्यायपूर्ण वितरण

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्जिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अक्षील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- (a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- (b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- (c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- (a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- (b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- (c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

Ans

उपर्युक्त केस स्टडी कार्यस्थल

पर यौन उत्पीड़न व असुरक्षा के भय को  
इंगित करती हुई अधिष्ठाता के बेहतर सुझावों  
व सुधारों की मांग करती हैं।

① करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक

दुविधाएँ -

① प्राथमिक मूल्य बनाम संगठन मूल्य  
↓  
(मित्र की सहायता) (कम्पनी के समर्थन में)  
वने रहना

② कानूनी कमियों <sup>न्यायालय में पिलंबता</sup> की नैतिक दुविधा

↳ POSH Act के तहत अधिनियम  
पिड़ित महिला की ओर से शिकायत  
करने पर वह स्वयं समस्याओं  
से छिप सकता है।

③ गरीबी की दुविधा → मरियम का परिवार  
उसकी (मरियम) की भाय  
पर निर्भर।

④ कार्यस्थल पर उत्प्रेरित महिला उत्पीड़न  
↳ संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन  
(Art - 42 अर्थात् कार्य  
मनोदशा)

⑤ समानता का अभाव  
↳ कम्पनी पुरुष कर्मचारियों के रूप में  
प्रसिद्ध → Art-14 का उल्लंघन)

⑥ लैंगिक संवेदनशीलता का अभाव

⑦ करण के समक्ष उपलब्ध विकल्प

(i) शिकायत दायर की जाए

- मरियम को न्याय
- लिंग संवेदनशीलता का उदाहरण बनेगा
- साहसिक प्रवृत्ति का उजागर होना
- Role model की बनने की संभावना
- कम्पनी छवि खराब
- आगामी पदोन्नति में रुकावट

- ↓
- अंतरात्मा की आवाज का पालन
  - भविष्य में आत्मग्लानि का भाव नहीं होगा

- ↓
- कार्य सिध्दान्त पर नकारात्मक प्रभाव

## ② 'शिकायत न करना'

साथ/प्रभाव

- ↓
- अल्पकालिक हल
  - त्वरित निपटारा

(-)ve impact

- मरियम का यौन शोषण संभव है
- स्वयं को अपराध बोध का भाव
- दखू प्रवृत्ति का उजागर होना
- मरियम भविष्य में आत्महत्या का सहारा ले सकती है

# व्यक्तिगत राय / विकल्प :-

~~साथ में~~ भारतीय नगरिक होने के कारण संवैधानिक कर्तव्यों की पूर्ति करना

प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए इसलिए विकल्प प्रथम का उपयोग करते हुए उसमें अन्य प्रयास करने होंगे।

→ शिकायत दर्ज करने के साथ, मरियम की सहायता करना।

→ आंतरिक शिकायत समिति में शिकायत दर्ज करवाने के पश्चात महिला सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधानों (कार्यस्थल में बर्दशाप, उत्पीड़न को गृह से कार्य, उत्पीड़नकारी को कार्यस्थल से रोकना) की जानकारी प्रदान करवाना।

→ कमेटी में महिला अध्यक्ष के साथ स्वयं की नियुक्ति तटस्थता को बनाए रखने के लिए



आंतरिक शिकायत समिति द्वारा तटस्थ जांच



निष्पक्ष निर्णय से मरियम को राहत

# दीर्घकालिक लक्ष्य:- कम्पनी में इस प्रवृत्ति के स्थायीकरण के लिए शिकायत समिति का संस्थानीकरण

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

20

① शिक्षा विभाग आयुक्त के रूप में विकल्प :-

① भर्ती का मंजूर न करें

(+) के

• ईमानदारी व अखण्डता का मूल्य घना रहेगा

• भ्रष्टाचार के आरोप की संभावना नहीं।

• राजनीतिक संरक्षण के खिलाफ आवाज उठाने का साहस

(-) के

• स्वयं के द्वारा शुरु की गई परियोजना को रोक जा सकता है।

• शैक्षणिक परिणामों पर प्रभाव पड़ेगा

② भर्ती को मंजुरी देना

(+) के

• परियोजना बंद नहीं होगी

• शैक्षणिक परिणाम सामाजिक जीवन में सुधार

पदेन्नति की संभावनाएँ

(-) के

• पूर्ण की तरह भ्रष्टाचार के आरोप संभव हैं।

• अंतरात्मा का संकट

• स्थायी प्रवृत्ति बन सकती है।

## # जय का विकल्प :-

दोनों विकल्प दो अलग-2

स्थितियों तथा प्रभावों को समेटे हुए है

जिसमें से win-win solution ढूँढने के

लिए निम्न विकल्पों 2 प्रयासों का सहारा

लिया जाना चाहिए।



- राजनेता से बातचीत करके उसका अनुमयन करना कि

भ्रष्टाचार से विपक्ष को विषय  
हो सकता है मिल सकता है।  
चुनावों पर फर्क पड़े।  
विरोध की संभावना



उसके पश्चात नहीं माने तो  
~~सर्वप्रथम~~ ~~बकी~~ पार्टी के अन्य  
नेताओं व आलाकमान से जो कि  
CM है उनसे बात करके समाधान  
का प्रयास।



न मानने पर 2<sup>nd</sup> ARC के अनुसार  
या तो Information sharing

का कार्य किया जाना चाहिए अन्यथा बर्ली  
की मजूरी को रोक दिया जाना चाहिए।

③ बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के सुझाव :-

(i) प्रशासन में व्याप्त protect culture  
को तोड़ना होगा।

↳ विभागीय अनुरासनात्मक कार्यवाही के  
नियमों में सुधार तथा राजनीतिक दबाव  
को कम करने का प्रयास

↳ 2<sup>nd</sup> ARC political - bureaucratic nexus  
को तोड़ा जाना चाहिए।

↳ yes-manship को अंत किया जाए

↳ 2<sup>nd</sup> ARC नैतिक प्रशिक्षण प्रदान किया  
जाए।

↳ university level पर उच्च  
नैतिक प्रशिक्षण प्राप्त

सुरक्षा के लिए → Social audit का Culture लाया जाएगा

- ↳ न्यायिक सक्रियता अनिवार्य है
- ↳ पार्टी (Political) को RTI के दायरे में लाया जाए।
- ↳ Whistle blower Act के तहत सुरक्षा प्रदान की जाए।  
(विशेष स्थिति में जी अनामित) नहीं उजागर हो)
- ↳ कार्यपालिका के नियंत्रण को कमजोर किया जाए।
- ↳ जनभागीदारी & जनसत्तकता बढ़ाकर इस प्रकार राजनीतिक -

प्रशासनिक संबंधों में कार्यपालिका की जवाबदेहिता सुनिश्चित करके प्रशासन की सुरक्षा की जा सकती है।

X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण संवर्धनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

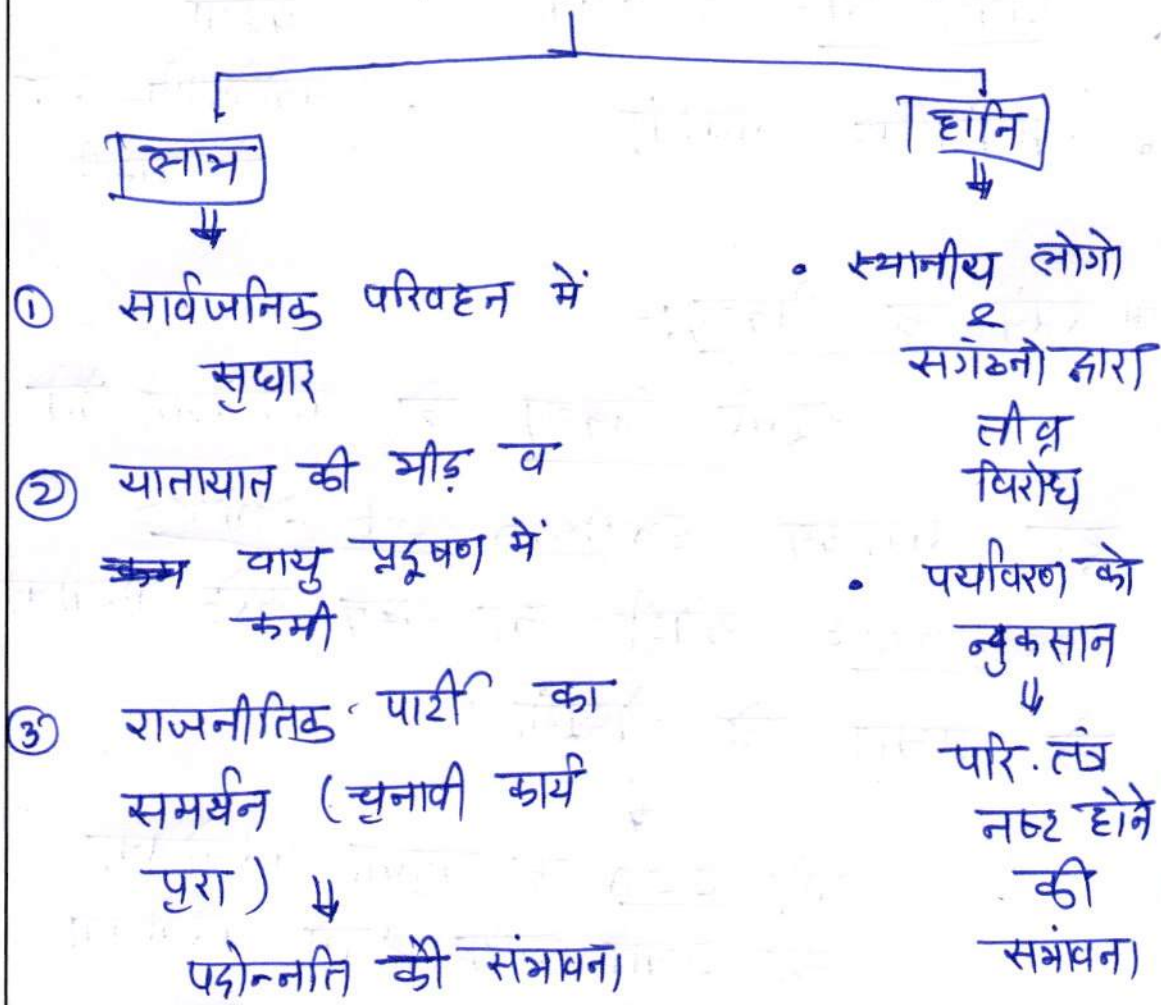
" यदि किसी को आर्थिक विकास पर्यावरणीय विकास से अधिक महत्वपूर्ण लगता है तो वे बिना श्वास लिए पैसे गिने की कोशिश करे " - जाय मैकफर्सन

५. नैतिक दुविधाएँ

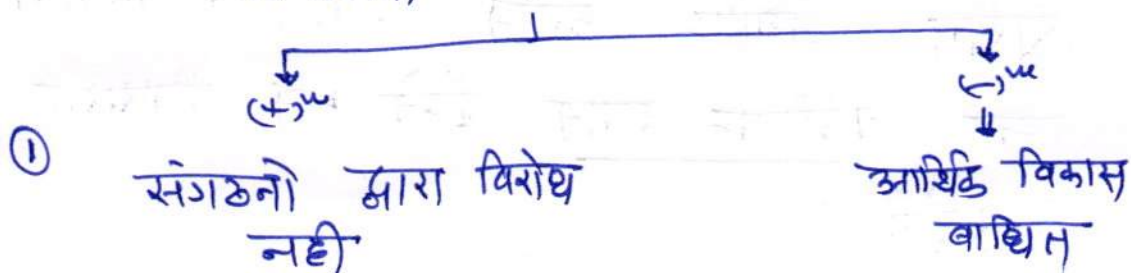
- ① पर्यावरण विकास बनाम आर्थिक विकास
- ② वनोन्मूलन की समस्या  
↳ (परियोजना के कारण काटना पड़ेगा)
- ③ राजनीतिक अवसरवाद की उपस्थिति  
↳ (चुनावी वर्ष में कार्य तेज)
- ④ जन सतर्कता का अभाव  
↳ (राजनेताओं द्वारा चुनावी वर्ष में भावनात्मक शोषण, कर्यों के द्वारा)
- ⑤ नैतिक झुंझ (व्यक्तिगत/अंतरात्मा स्तर पर)

## # विकास २ मूल्यांकन

- ① आर्थिक विकास को महत्व देते हुए परियोजना को पूर्ण करना।



- ② पर्यावरण विकास को महत्व देते हुए परियोजना को रोकना जाना।



- ↓
- वनों की सुरक्षा  
(फेफड़ों का बचें रहना)
- कार्बन सिंड का बचना
- दीर्घकालिक फायदेमंद

- ↓
- राजनीतिक टकराव  
की उत्पत्ति
- ऊपर से पक्षी  
बढ़ेगा
- मनोवैज्ञानिक रूप  
से अशांति

# स्वयं का विकल्प :-

दूसरे विकल्प को प्राथमिकता देते

हुए | सर्वप्रथम Environment Impact  
Assessment कमेटी का गठन करके परियोजना  
के प्रभाव को - देखेंगे।

↓

यदि EIA के अनुसार परियोजना  
का प्रभाव अधिक है तो परियोजना  
को रोकना बेहतर होगा।

↓

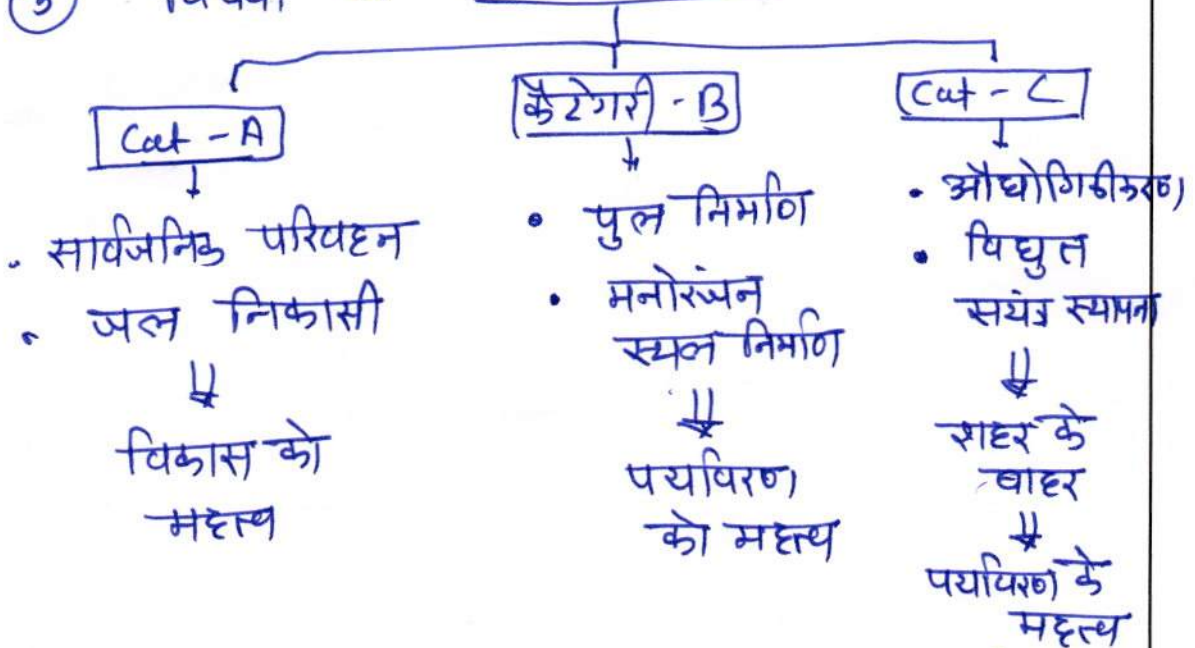
इस प्रकार Rule of Law & Environment  
सुरक्षा प्राथमिक कर्तव्य रहेगा। व परियोजना  
का वैकल्पिक स्थान ढूँढने में प्रयासरत  
रहेगा ॥

③ शहरी विकास आवश्यकता & पर्यावरण में  
संतुलन के सुझाव :-

① Environment कानूनों का प्रचार किया जाए।

② "नियोजन प्रणाली" पर अधिक बल  
दिया जाना चाहिए

③ विषयों का आवश्यकता आधारित वर्गीकरण



इस प्रकार स्पष्ट वर्गीकरण  
के माध्यम से पर्यावरण व विकास के  
मध्य - समाधान ढूँढे जाने चाहिए।

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

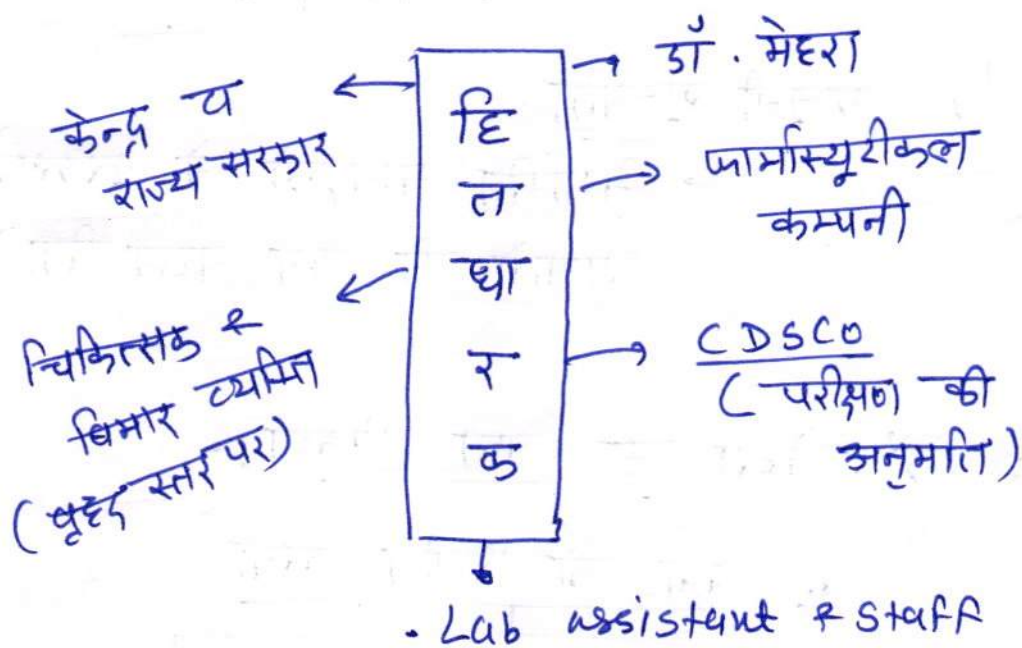
- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

~~उपर्युक्त~~

उपर्युक्त केस स्टडी नैदानिक परीक्षण में व्याप्त कई कानूनी वंचिता प्रवृत्ति तथा नैदानिक परीक्षण के दौरान सामना की जाने वाली समस्याओं को समेटे हुए हैं।

9



b) मेहरा द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाएँ / मुद्दे -

- 1) कानूनी स्पष्ट परिभाषा का अभाव -
  - ↳ 'सतोषजनक परिणाम'
  - ↳ (आत्मनिष्ठता अधिक)

↳ खोज व अनुसंधान में समय अधिक लगना  
↳ (पिछले 10 वर्षों से रुढ़ भी नहीं)

↳ स्पष्टता का अभाव

↳ प्राथमिक & द्वितीयक मूल्यों में स्तराव  
↳ (दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएँ)

↳ कानूनी शून्यता

↳ निर्धारित मानदण्डों में दूरदर्शी प्रभावों को कम महत्त्व दिया।

③ डॉ. मेहरा के पास विकल्प :-

a. दवा को रिलीज करना

(+) <sup>मे</sup>  
↓

① कम्पनी को फायदा

② अल्पकालिक समय में प्रभावी

③ राहत प्रदान करेगी।

① दीर्घकाल में नुकसान की संभावनाएँ

② कम्पनी की बहिष्कार होगी

## ⑥ देवा को रिलीज न करना

**लाभ**



- ⑥ और अधिक परिश्रम करने का समय मिलेगा
- ⑦ दीर्घकाल के लिए भी प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं
- ↓
- ⑧ बेहतर ड्रेस का निर्माण स्वयं की प्रसिद्धि का भी कारण बन सकता है
- ↓
- ⑨ कम्पनी में पदोन्नति का अवसर बढेंगे ।

**हानि**



- कम्पनी आपसे नाराज हो सकती है
- कम्पनी की आय में नुकसान
- ↓
- अल्पकालिक राहत का अभाव

# स्वयं की राय २ क्यों -

स्वयं के द्वारा पिकल्प दो का चयन  
करना बेहतर होगा क्योंकि -

- ① संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप  
↳ Art - 47 (पर्यावरण २ मानव सुरक्षा)
- ② Rule of Law का पालन होगा।  
↳ दीर्घकाल में किसी प्रकार का भय  
नहीं।
- ③ "नर सेवा नारायण सेवा" कम्पनी के लिए  
इसे नुकसान नहीं पहुँचाया जा सकता है।
- ④ गांधी जी - अन्त्योदय के लिए कार्य  
करने के लिए प्रोत्साहन देते हैं।
- ⑤ मिल का उपयोगितावादी अधिकतम लोगों  
(समाज, विभार) के लिए कल्याण की बात  
करते हैं।

11.

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

44  
51  
49

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.  
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?  
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

(a) नैतिक मुद्दे :-

(1) संवैधानिक प्रावधानों के प्रति निष्क्रियता -

↳ पुरातात्विक / ऐतिहासिक स्थलों के प्रति उदासीनता (Art-51)

(2) बौद्धिक चोरी

↳ वरिष्ठ द्वारा योजना को चुराया जाना व सारा श्रेय ले लेना।

(3) कार्य संस्कृति में व्याप्त दोष -

↳ सहयोगियों का सक्रिय सहयोग नहीं।  
↳ नवाचार & तकनीकी प्रयोग के प्रति उदासीन रवैया

④ वरिष्ठ द्वारा सेवानिवृत्ति के समय शांत रहने की प्रवृत्ति & उदासीन भाव ।

⑥ व्यक्तिगत सहायता का अभाव

⑧ मनोबल & उत्पादकता पर भाव :-

↳ निरन्तसहित के भाव की उत्पत्ति ।

**मनोबल**

- ↳ नवाचार को रोक्ता है।
- ↳ अग्रसक्रियता को समाप्त करता है।
- ↳ नागरिक/अधिकारी को status-quoist बनाता है।

↳ सहयोगियों से मनमुटाव की प्रवृत्ति

**उत्पादकता**

- ↳ कार्यस्थल पर मन नहीं
- ↳ सामंजस्य में कमी आती है।
- ↳ कार्य संस्कृति अपने पक्ष में नहीं।
- ↳ कार्य करने में छोड़पन का भाव
- ↳ कार्य की उत्पादकता में कमी आता है।

## # पिछल्य & समाधान :-

- ① मुख्य सचिव के सामने उजागर करना की यह - परियोजना प्खान उनका है।



- स्वयं की सराहना होगी
- दोषी को दण्ड मिलेगा
- परियोजना को स्मृति मिलेगी।
- ऐतिहासिक धरोहरों को सरक्षण मिलेगा
- Role model बनने का अवसर
- आदेश की एका का भंग
- उच्चस्य के साथ संबंध खराब होंगे

- ② उस समय चुप रहना व परिच्छ का सहयोग करना।



- उच्चस्य सहयोग में रहेगा व Long term में लाभ
- कार्य संस्कृति पर (-) <sup>ve</sup> impact

↓  
- पदसोपानिकता) का  
पालन किया जाएगा।

↓  
- स्वयं (अंडर सेक्रेटरी)  
की कार्य संरचना का  
शिकार धनोगे।

# समाधान / win-win solution :-

- ① उच्च अधिकारी से वार्ता करके स्वयं के द्वारा  
बौद्धिक चोरी को स्वीकार किया जाना।
- ② क्षेत्र के बजाय परियोजना महत्वपूर्ण है इसलिए  
सर्वप्रथम उस कार्य को पूरा करने पर  
ध्यान दिया जाएगा।
- ③ कार्य पूर्ण होने के पश्चात इस पर  
बौद्धिक चोरी के तहत शिकायत की  
जा सकती है।
- ④ क्षेत्र व्यक्तिगत न होकर सांगठनिक व  
विभाग के नाम से करवाने का प्रयास  
किया जाएगा।

12.

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

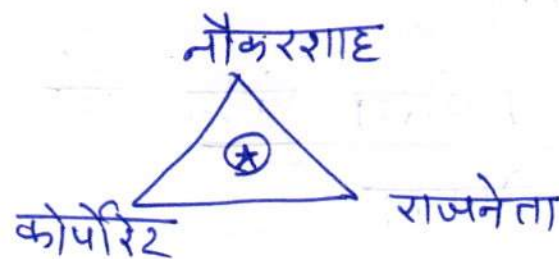
One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words) 20

उपयुक्त केस स्टडी के माध्यम से प्रशासन में प्राप्त एक विशेष समस्या को उकेरा गया है जो कि प्रशासन कोपेरिटर व राजनीतिक गठबंधन को इंगित करती है।



# नैतिक मुद्दे :-

- ① कानूनो का पालन नहीं करना  
↳ EIA के साथ गलत डेटा को सलज्ज करना।
- ② 'राजनीतिक भ्रष्टाचार' सहायता करना  
↳ Something for something  
दान देना

③ पर्यावरण को नुकसान

↳ आर्द्रभूमि को महत्व न देकर व्यक्ति लाभ पर बल।

④ नौकरशाही की जी दुजुरी (yes menship)

↳ गलत EIA करके दो वर्षों तक रोक

⑤ कोर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का अभाव

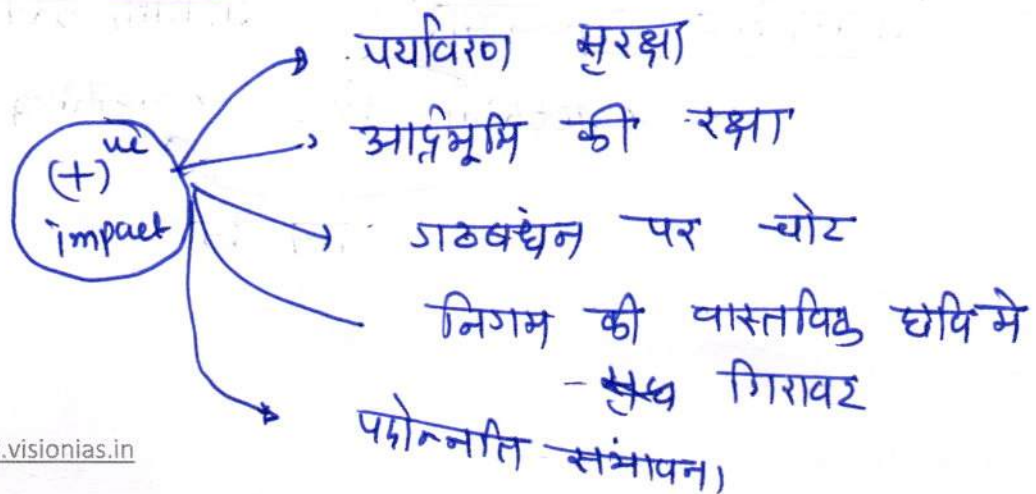
⑥ इलेक्टोरल पंक्ति का अप्रभावी नियमन

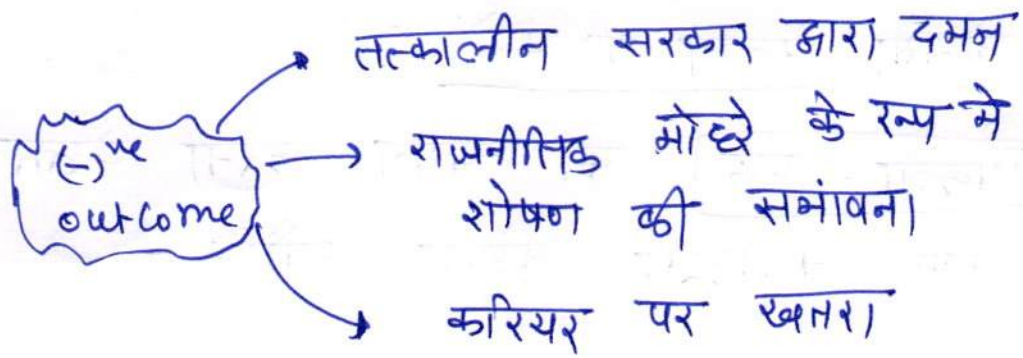
⑦ अरबों के पास विकल्प :-

① EIA को निष्प्रभावी बताकर न्यायालय अथवा

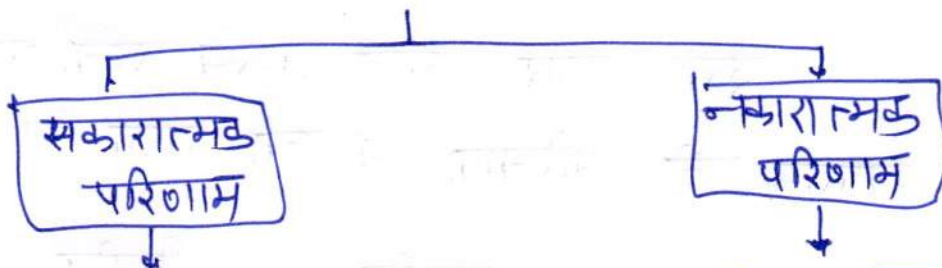
NHT से स्वीकृति प्राप्त करके पुनः

EIA को करवाया जानिके का विकल्प





② यथास्थितिवादी बने रहना व EIA के प्रति सामंजस्यपूर्ण व्यवहार करना।



- अल्पकालिक हल निकलेगा
- कोई संकट का सामना नहीं।
- 5<sup>th</sup> प्रोस्ट्रिंग होने की संभावना कम होगी 😊
- सत्यनिष्ठा & समर्पण की क्षति खराब होगी।
- पक्षी प्रकृति का उजागर
- पुरासमिद्ध-राज. कोर्पोरेट गठबंधन नहीं टूटेगा तथा स्वयं उसका शिकार बनेंगे।

# कौनसा विकल्प व क्यों - 2

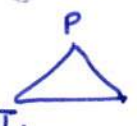
विकल्प - एड का चयन करना बेहतर तथा नैतिकपूर्ण रहेगा - क्योंकि -

① " <sup>य</sup> समर अभी शेष है, युद्ध का भागी नहीं डेवल व्याय जो लटस्य है, समय-उन्के भी लिखेगा अपराध।"

इस प्रकार अभी लटस्य रहना अपेक्ष्य मे अपराध की परिभाषा में आ सकता है।

② इमैनुएल काण्ट - प्राथमिक vs द्वितीयक मूल्य

शकाल में प्राथमिक मूल्य का साथ दिया जाना चाहिए। (प्रा.मू = पर्यावरण सुरक्षा)

③ " पर्यावरण मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए है हितों की पूर्ति के लिए नहीं "(गार्डन) इसलिए इस  को तोड़ने के लिए

'विकल्प एड का उपयोग करना नैतिक एकता की दृष्टिकोण से भी अनिर्वाह है'

# SPACE FOR ROUGH WORK

# SPACE FOR ROUGH WORK

AL

(14)